खबर संक्षेप

18 जुलाई को आयोजित होगी विशेष लोक अदालत

शहडोल। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के.एन सिंह के मार्गदर्शन में 18 जुलाई को नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट एक्ट की धारा 138 अंतर्गत चेक अनादारण संबंधी प्रकरणों के निराकरण हेतु विशेष लोक अदालत आयोजित की जाएगी। उक्त विशेष लोक अदालत हेतु विशेष न्यायाधीश एट्रोसिटी श्रीमती दीपाली शर्मा को जिला को-ऑर्डिनेटर नियुक्त किया गया है। विशेष न्यायाधीश के निर्देशन में समस्त बैंकों एवं कंपनी जिनके चेक अनादरण संबंधी प्रकरण न्यायालय में लंबित है उनके साथ संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में विशेष न्यायाधीश द्वारा समस्त बैंक अधिकारियों एवं फाइनेंस कंपनी के अधिकारियों से चर्चा कर 50000 से कम राशि के प्रकरणों को प्राथमिकता देते हुए अधिक से अधिक प्रकरण निराकरण किए जाने में, बैठक में विभिन्न न्यायालयों में लंबित की सूची उपलब्ध कराई गई तथा अधिक से अधिक प्रकरणों में समन्वय स्थापित कर आवश्यक कार्यवाही करने, लंबित चेक अनादरण प्रकरणों को चिन्हित कर उन्हें विशेष लोक अदालत में प्रस्तुत करने, सहयोग प्रदान करने हेतु कहा गया। बैठक में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती श्वेता परते तिवारी, जिला विधिक सहायता अधिकारी देवेंद्र सिंह परस्ते लीड बैंक मैनेजर श्री अमित चौरसिया एवं अन्य बैंकों के पदाधिकारी गण उपस्थित रहे।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पंचगांव का सीएमएचओ ने किया निरीक्षण

शहडोल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पंचगांव का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं, दवा वितरण, ओपीडी व्यवस्था, साफ-सफाई, अभिलेखों के संधारण तथा मरीजों को प्रदान की जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। सीएमएचओ डॉ. मिश्रा ने स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि मरीजों को समय पर गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराया जाए तथा शासन की स्वास्थ्य योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने परिसर की स्वच्छता बनाए रखने, आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने एवं सभी व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने के निर्देश भी दिए।

राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी और घोटालों के दोषियों को फांसी की सजा देने की मांग

शहडोल संभाग में भी सिग्नेचर अभियान शुरू करने की अपील

शहडोल। आम आदमी पार्टी के प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग, शहडोल संभाग के प्रभारी अनूप शर्मा ने राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी और घोटालों में शामिल दोषियों को फांसी की सजा दिए जाने की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि इस मुद्दे पर देशभर में जनमत तैयार करने के लिए अरविंद केजरीवाल जी ने देशव्यापी सिग्नेचर अभियान की शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश के शहडोल, उमरिया, अनूपपुर और मैहर जिलों में भी इस सिग्नेचर अभियान की शीघ्र शुरुआत होगी ताकि अधिक से अधिक लोग इस अभियान से जुड़कर अपनी आवाज़ बुलंद कर सकें। उन्होंने कहा कि आस्था से जुड़े मामलों में भ्रष्टाचार या अनियमितता के आरोपों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और जो भी व्यक्ति कानूनन दोषी सिद्ध हो, उसे कानून के अनुसार फांसी जैसी कठोर सजा दी जाए। अनूप शर्मा ने आमजन से इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने और न्याय तथा जवाबदेही के समर्थन में हस्ताक्षर कर अपनी भागीदारी निभाने की अपील की।

वन विभाग की शासकीय धरा पर चलाया जालसाजी का आरा
कूट रचित साक्ष्यों से माफियाओं को कौड़ियों में परोसी सरकारी जमीन

संभाग के अंतर्गत तहसील गोहपारू के ग्राम दियापीपर में वन विभाग के आधिपत्य वाली अरबों की सरकारी वन संपदा (रकबा 27.114 हेक्टेयर) को हड़पने का सनसनीखेज सच सामने आया है। सेवानिवृत्त हो चुके तत्कालीन राजस्व निरीक्षक भास्कर दत्त गौतम ने अपनी शासकीय सेवा की मर्यादा को ताक पर रखकर, सेवामुक्ति के बाद कूट रचित दस्तावेज तैयार किए और भू-माफियाओं के हाथों इस बहुमूल्य राष्ट्रीय संपत्ति का क्रय-विक्रय करवा दिया।

शहडोल।

वन संपदा और मुख्य मार्ग से लगी बेशकीमती राजकीय भूमि को सोची-समझी साजिश के तहत खुर्द-बुर्द करने का यह सबसे घिनौना चेहरा है, शिकायतकर्ता द्वारा कमिश्नर को सौंपे गए साक्ष्यों से स्पष्ट है कि सेवामुक्त राजस्व निरीक्षक भास्कर दत्त गौतम ने तत्कालीन तहसीलदार दिव्या सिंह और साथी अधिकारियों के साथ मिलकर ऐसा कानूनी मकड़जाल बुना, जिससे सरकारी अभिलेखों में ही हेराफेरी कर दी गई और कानून तमाशबीन बना रहा। गोहपारू तहसील के ग्राम दियापीपर का खसरा संख्या 703/1 इस पूरे सुनियोजित अपराध का मुख्य केंद्र बिंदु है, जो 27.114 हेक्टेयर के विशाल क्षेत्र में फैला हुआ है। सरकारी राजस्व पंजियों में यह साफ तौर पर मध्य प्रदेश शासन के वन विभाग (जंगल मद) की सुरक्षित संपत्ति घोषित है। देश का कोई भी कानून किसी भी राजस्व प्राधिकारी को यह हक नहीं देता कि वह इस प्रकार की प्रतिबंधित वन भूमि का किसी निजी संस्था या व्यक्ति के नाम आवंटन या नामकरण कर सके। इसके बावजूद, सेवानिवृत्त हो चुके शातिर राजस्व निरीक्षक भास्कर दत्त गौतम ने पूरे तंत्र को ठेंगा दिखाते हुए इस सरकारी खजाने पर डाका डाल दिया।

पुरानी फाइलों से निकला जालसाजी का जिन्न

दस्तावेजी छानबीन से यह घिनौना सच बाहर आया है कि इस भ्रष्टाचार की नींव बहुत पहले वर्ष 1990-91 के कथित राजस्व मामले (प्रकरण क्रमांक 197/अ-19(4)) के एक संदेहास्पद आदेश दिनांक 15.04.1991 के जरिए रखी गई थी। इसमें 2.004 हेक्टेयर (4.95 एकड़) वन भूमि को अनुचित रूप से श्रीमती सारिका प्रकाश आत्मज प्रसन्न कुमार प्रकाश के नाम हस्तांतरित दिखाया गया था। सबसे बड़ा झोल यह रहा कि कागजों पर आवंटन तो हो गया, मगर मूल खसरे के कुल रकबे में कोई कटौती दर्ज नहीं की गई। इसी विसंगति का अवैध लाभ उठाते हुए भास्कर दत्त गौतम ने भू-माफियाओं के साथ मिलकर सरकारी जमीन का व्यापार शुरू कर दिया।

जब मेड़ ही खाने लगी खेत

यह मामला केवल एक सेवानिवृत्त कर्मचारी की मनमानी का नहीं, बल्कि एक संगठित सिंडिकेट का है। इस भ्रष्टाचार में भास्कर दत्त गौतम के साथ तत्कालीन राजस्व निरीक्षक गणेश पाण्डेय और तत्कालीन तहसीलदार दिव्या सिंह की भूमिका पूरी तरह संदिग्ध है। इन सभी ने आपसी सांठगांठ (दुरभिसंधि) कर वित्तीय लाभ कमाने की खातिर शासकीय संपत्ति का घोर दुर्विनियोग किया। हद तो तब हो गई जब हाल ही में गोहपारू तहसील कार्यालय में नामांतरण का एक नया खेल (प्रकरण क्रमांक 0421/3-6/2025-2026) रचा गया। जहां प्रयास कुमार प्रकाश, नवनीत प्रकाश, जयसिंह तनेजा एवं वर्षा तनेजा को लाभ पहुंचाने के लिए, बिना किसी हल्का पटवारी के वैधानिक प्रतिवेदन या जांच के, तत्कालीन पीठासीन अधिकारी ने आंखें मूंदकर इस अवैध नामांतरण पर अपनी मुहर लगा दी।

कब तक फाइलों में दफन रहेगा सच

शहडोल के आला अधिकारियों की रहस्यमयी खामोशी कई गंभीर सवाल खड़े करती है। शिकायतकर्ता ने तमाम दस्तावेजी साक्ष्य कमिश्नर को सौंपे हैं, इसके बावजूद कार्रवाई की सुस्त रफ्तार यह दर्शाती है कि रसूखदारों और भ्रष्ट पूर्व अधिकारियों की पहुंच शासन के गलियारों में कितनी गहरी है। क्या एक सेवानिवृत्त राजस्व निरीक्षक कानून से ऊपर हो गया है, जो वन विभाग की सीमाओं को लांघकर जमीनों की सौदेबाजी कर रहा है।

निष्पक्ष जांच और त्वरित कार्रवाई की दरकार

स्थानीय निवासियों में इस खुले लूट-खसोट को लेकर भारी आक्रोश व्याप्त है। मुख्य मार्ग पर स्थित इस अति-मूल्यवान वन भूमि को पूरी तरह कब्जाने की तैयारी चल रही है। जनता अब केवल जांच का आश्वासन नहीं, बल्कि ठोस परिणाम चाहती है। मांग की जा रही है कि किसी ईमानदार उच्च स्तरीय राजस्व अधिकारी की देखरेख में विशेष जांच दल का गठन हो, भास्कर दत्त गौतम व उनकी पूरी मंडली के खिलाफ सख्त आपराधिक मुकदमा दर्ज किया जाए और वन विभाग की इस पावन धरा को भू-माफियाओं के चंगुल से मुक्त कराकर राज्य सरकार इसे पुनः अपने पूर्ण भौतिक नियंत्रण में ले।

वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश की भोपाल में कोर ग्रुप की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न
संगठन को और अधिक सक्रिय एवं सशक्त बनाने के लिए लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

शहडोल। वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश के शहडोल संभाग अध्यक्ष कीर्ति कुमार सोनी ने बताया कि कोर ग्रुप की महत्वपूर्ण बैठक 10 जुलाई शनिवार को भोपाल में संपन्न हुई। बैठक में संगठन के विस्तार, मजबूती एवं आगामी कार्ययोजना पर गंभीर एवं विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक में वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश के शिरोमणि संरक्षक श्री उमाशंकर गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष सुधीर अग्रवाल ने की।

बैठक में प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष संदेश जैन, प्रदेश संगठन महामंत्री विजय झाझंरी एवं सह संगठन महामंत्री राजकुमार गुप्ता ने संगठन को अधिक सक्रिय, प्रभावी एवं मजबूत बनाने के लिए अपने महत्वपूर्ण सुझाव एवं विचार प्रस्तुत किए। मध्यप्रदेश संगठन द्वारा गठित सभी 20 संभागों के प्रभारी प्रदेश महामंत्री एवं संभागीय अध्यक्षों ने बैठक में सहभागिता करते हुए अपने-अपने संभाग की गतिविधियों, उपलब्धियों एवं आगामी योजनाओं की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। प्रदेश महामंत्री एवं शहडोल संभाग प्रभारी पदम खेमका, संभाग अध्यक्ष कीर्ति सोनी,सह संभाग अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल ने बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों की जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में 15 जुलाई 2026 से 14 सितंबर 2026 तक मध्यप्रदेश के सभी 20 संभागों में संभागीय सम्मेलनों का आयोजन किया जाएगा। प्रत्येक संभागीय सम्मेलन में मुख्य इकाई, महिला इकाई एवं युवा इकाई के तहसील स्तर तक के समस्त पदाधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी। सभी संभागों को निर्देशित किया गया है कि 31 जुलाई 2026 तक सम्मेलन में आमंत्रित तीनों इकाइयों के पदाधिकारियों की सूची संभागीय सम्मेलन आयोजन की तिथि स्थान तय कर प्रदेश कार्यालय को अनिवार्य रूप से प्रेषित करें। संभागीय सम्मेलनों में संबंधित संभाग के वैश्य समाज के जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ समाजसेवियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं विशिष्ट अतिथियों को विशेष रूप से आमंत्रित किया जाएगा। संगठन विस्तार, सदस्यता अभियान, सामाजिक समन्वय एवं आगामी कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया जाएगा। प्रत्येक संभाग को संगठनात्मक गतिविधियों में गति लाने एवं समाज के अंतिम व्यक्ति तक संगठन की पहुंच सुनिश्चित करने का लक्ष्य दिया गया। बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने संगठन को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने, समाज में एकजुटता बढ़ाने तथा वैश्य समाज के हितों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।

जैविक सब्जी उत्पादन एवं नर्सरी प्रबंधन प्रशिक्षण की परीक्षा संपन्न

शहडोल। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान शहडोल में मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से आयोजित 12 दिवसीय जैविक सब्जी उत्पादन एवं नर्सरी प्रबंधन प्रशिक्षण का समापन लिखित एवं मौखिक परीक्षा के साथ हुआ। प्रशिक्षण का उद्देश्य गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन करने वाली स्व-सहायता समूह की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर स्वरोजगार के लिए तैयार करना था। संस्थान के संचालक विप्लव चंद्रा ने बताया कि प्रशिक्षण में ब्यौहारी, बुढार, जयसिंहनगर, गोहपारू एवं सोहागपुर विकासखंड की महिलाओं ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को जैविक सब्जी उत्पादन, नर्सरी प्रबंधन, उन्नत कृषि तकनीक तथा स्वरोजगार से जुड़ी व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई।

परीक्षा का आयोजन ओम प्रकाश चतुर्वेदी, परीक्षा नियंत्रक एवं प्रमाणीकरण, रूडसेटी भारत सरकार भोपाल के निर्देशन में किया गया। सब्जी उत्पादन एवं नर्सरी प्रबंधन विषय की परीक्षा रामसुख दुबे (कटनी) तथा बैंकिंग विषय की परीक्षा पवन कुमार पांडे (शहडोल) द्वारा संपन्न कराई गई। परीक्षा में प्रतिभागियों का मूल्यांकन नर्सरी प्रबंधन, सब्जियों के बीज एवं किस्मों की जानकारी, कीट एवं रोग नियंत्रण की जैविक विधियां, मिट्टी परीक्षण, जैविक खाद एवं कीटनाशक निर्माण, मल्चिंग, स्प्रिंकलर एवं ड्रिप सिंचाई, पॉलीहाउस तकनीक सहित बैंकिंग, बीमा योजनाओं एवं उद्यमिता से जुड़े विषयों पर किया गया। साथ ही प्रायोगिक परीक्षा के दौरान केंचुआ खाद निर्माण, जैविक खाद एवं कीटनाशकों की तैयारी, सब्जी नर्सरी और पौधों में बडिंग तकनीक का भी अवलोकन कराया गया। कार्यक्रम के सफल संचालन एवं परीक्षा संपन्न कराने में संस्थान के कर्मचारी दुर्गेश गुप्ता, ज्ञान सागर एवं अंजलि गुप्ता का विशेष सहयोग रहा। प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं को स्वरोजगार एवं जैविक खेती के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

बीमारियों से बचाव संबंधी आयोजित किया गया जागरूकता कार्यक्रम

शहडोल। कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड शहडोल एस. एस. धुर्वे के निर्देशानुसार स्टॉप डायरिया कैंपेन-2026 के अंतर्गत शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय ग्राम उधिया में दस्त प्रबंधन एवं स्वच्छता विषयक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को दस्त होने के प्रमुख कारण, बचाव के उपाय, उचित उपचार, ओआरएस एवं जिंक के महत्व, व्यक्तिगत स्वच्छता तथा सुरक्षित एवं स्वच्छ पेयजल के उपयोग के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। बच्चों को नियमित रूप से हाथ धोने, खुले में शौच से बचने तथा स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यशाला के उपरांत विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने जागरूकता रैली निकालकर आम ग्रामीणों को स्वच्छता अपनाने, सुरक्षित पेयजल का उपयोग करने तथा दस्त से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में मुख्य प्रशिक्षक के रूप में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड शहडोल के पीएमयू जिला आईईसी समन्वयक रोहणी कुमार बर्मन द्वारा दस्त प्रबंधन, स्वच्छता एवं सुरक्षित पेयजल के महत्व की जानकारी प्रदान की गई तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया।

एमएलबी स्कूल में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

शहडोल। पर्यावरण संरक्षण एवं हरित वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शासकीय एमएलबी स्कूल, शहडोल में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। विद्यालय की प्राचार्य साधना जैन ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल करना भी प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। विद्यार्थियों को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी सुरक्षा एवं संरक्षण करने का संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में आम, जामुन, अमरूद, नीम, पीपल एवं गुलमोहर सहित फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया। छात्राओं ने पौधों की देखभाल का संकल्प लेते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर विद्यालय की वरिष्ठ शिक्षिकाएं अर्चना सिंह, अंजनी शुक्ला, अंजना त्रिवेदी एवं राधा मिश्रा सहित विद्यालय परिवार उपस्थित रहा। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को हरित एवं स्वच्छ पर्यावरण के महत्व से अवगत कराते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनका संरक्षण करने के लिए प्रेरित किया गया।

स्वास्थ्य विभाग का नया फरमान बना गले की फांस
12 साल बाद खुली पदोन्नति की फाइल, फिर भी हजारों की उम्मीदों पर फिरा पानी

शहडोल। मध्य प्रदेश के लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा नर्सिंग कैडर के साथ किया जा रहा भेदभाव और तानाशाही रवैया एक बार फिर खुलकर सडक़ पर आ गया है, वर्ष 2014 के बाद यानी पूरे 12 साल के लंबे इंतजार के बाद विभाग ने आखिरकार पदोन्नति (प्रमोशन) की फाइल तो खोली, लेकिन आधा-अधूरा और विसंगतियों से भरा आदेश जारी कर हजारों नर्सिंग कर्मचारियों की उम्मीदों की बेरहमी से हत्या कर दी, 9 जुलाई 2026 को संचालनालय द्वारा जारी सहमति पत्र (पत्र क्रमांक 9/नर्सिंग/ई 1/2026/400) ने इस संवर्ग के जख्मों पर मरहम लगाने के बजाय नमक छिडक़ने का काम किया है।

मलाईदार कुर्सियों को बचाने के लिए कतर दिए प्रमोशन के पंख

नर्सिंग संगठनों का आरोप है कि प्रदेश के अन्य सभी शासकीय विभागों में हर स्तर पर धड़ाधड़ पदोन्नतियां दी जा रही हैं, लेकिन कोरोना काल में अपनी जान दांव पर लगाने वाले नर्सिंग कैडर के साथ अमानवीय सौतेला व्यवहार हो रहा है, वर्तमान में राज्य स्तर पर संचालक (नर्सिंग), उप संचालक (नर्सिंग) से लेकर संयुक्त संचालक स्तर तक के सर्वोच्च पद वर्षों से धूल खा रहे हैं और खाली पड़े हैं, इसके बावजूद, जारी किए गए सरकारी आदेश में इन महत्वपूर्ण शीर्ष पदों पर पदोन्नति का रास्ता पूरी तरह बंद रखा गया है। कर्मचारी पूछ रहे हैं कि आखिर इन ऊंचे और नीतिगत पदों को खाली रखकर विभाग किसके इशारे पर काम कर रहा है।

प्रभार के भरोसे चल रहे कॉलेज

इस पूरे सरकारी आदेश का सबसे विवादित और हैरान करने वाला पहलू सिस्टर ट्यूटर के पद को लेकर सामने आया है, प्रदेश के सरकारी नर्सिंग कॉलेजों और स्कूल ऑफ नर्सिंग में शिक्षकों का अकाल पड़ा है, कई प्रमुख शिक्षण संस्थान केवल प्रभार के बैसाखी पर रेंग रहे हैं, इसके बावजूद, स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ संयुक्त संचालक (नर्सिंग) डॉ. इन्द्रजीत सिकरवार द्वारा हस्ताक्षरित इस आदेश में नर्सिंग ऑफिसर से सिस्टर ट्यूटर के पद पर पदोन्नति का कोई प्रावधान ही शामिल नहीं किया गया है।

विभाग ने केवल दो ही श्रेणियों में सहमति मांगी

सिस्टर ट्यूटर को योग्यता के आधार पर डीपीएचएनओ, प्राचार्य (शासकीय एएनएम प्रशिक्षण केंद्र) या सहायक प्राध्यापक के पद पर प्रमोट किया जाएगा, नर्सिंग ऑफिसर को केवल सीनियर नर्सिंग ऑफिसर बनाने का झुनझुना थमाया जा रहा है। इस सीमित आदेश से साफ जाहिर होता है कि विभाग केवल खानापूर्ति कर अपनी पीठ थपथपाना चाहता है, जबकि जमीनी हकीकत में राजपत्र (गजट) में निर्धारित कड़े नियमों की सरेआम अनदेखी की जा रही है।

भड़के कर्मचारी: प्रदेशव्यापी आंदोलन की चेतावनी

विभाग ने इस आदेश के तहत सभी पात्र कर्मचारियों से तत्काल ईमेल आईडी पत्रवाहक के माध्यम से सहमति पत्र उपलब्ध कराने का हुक्म जारी किया है, लेकिन कर्मचारी इस आधे-अधूरे टुकड़े को स्वीकार करने के मूड में कतई नहीं हैं, नर्सिंग संगठनों ने दोटूक चेतावनी दी है कि यदि सभी स्वीकृत और रिक्त पदों पर पारदर्शी ढंग से पूर्ण पदोन्नति प्रक्रिया शुरू नहीं की गई, तो शिक्षण व्यवस्था और स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह ठप कर दी जाएंगी और पूरे मध्य प्रदेश में उग्र आंदोलन का बिगुल फूंका जाएगा।

श्री पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं शिव महापुराण कथा का होगा भव्य आयोजन, तैयारियां अंतिम चरण में

धनपुरी। नगर के श्री राधा कृष्ण मंदिर, धनपुरी में सावन माह के पावन अवसर पर श्री पार्थिव शिवलिंग निर्माण, रुद्राभिषेक एवं शिव महापुराण कथा का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन को लेकर नगर सहित आसपास के क्षेत्रों के श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है। आयोजन संकल्प सेवा समिति, धनपुरी के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। आमंत्रण पत्र के अनुसार कार्यक्रम का शुभारंभ 1 अगस्त 2026 (शनिवार) को दोपहर 3 बजे कलश शोभायात्रा के साथ होगा। यह शोभायात्रा श्री राधा कृष्ण मंदिर से प्रारंभ होकर मेन चौराहा एवं ज्वाला मुखी मंदिर मार्ग से पुनः मंदिर परिसर पहुंचेगी। इसके साथ ही पूरे आयोजन का विधिवत शुभारंभ होगा।

इसके बाद 2 अगस्त से 10 अगस्त 2026 तक प्रतिदिन सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक श्री पार्थिव शिवलिंग निर्माण तथा प्रतिदिन शाम 4 बजे से हरि इच्छा तक शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जाएगा। कथा का वाचन परम पूज्य आचार्य विवेक तिवारी द्वारा किया जाएगा। आयोजन स्थल श्री राधा कृष्ण मंदिर, धनपुरी रखा गया है।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विद्वान यज्ञाचार्यों की भी विशेष सहभागिता रहेगी, जो वैदिक विधि-विधान से धार्मिक अनुष्ठानों का संचालन करेंगे। आयोजन समिति ने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से उपस्थित होकर धर्म लाभ लेने की अपील की है।

आमंत्रण पत्र के अनुसार 8 अगस्त 2026 (शनिवार) को प्रातः 9 बजे कांवड़ यात्रा निकाली जाएगी, जो श्री ज्वाला मुखी मंदिर से प्रारंभ होकर श्री राधा कृष्ण मंदिर तक पहुंचेगी। वहीं 10 अगस्त (सोमवार) को सुबह 11 बजे पार्थिव शिवलिंग विसर्जन शोभायात्रा एवं स्नान का आयोजन होगा, जिसमें श्रद्धालु खेरमाई तालाब तक पहुंचकर धार्मिक अनुष्ठान संपन्न करेंगे। आयोजन का समापन 11 अगस्त 2026 (मंगलवार) को दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित होने वाले भंडारा एवं महाप्रसाद वितरण के साथ होगा। संकल्प सेवा समिति ने क्षेत्रवासियों से परिवार सहित आयोजन में शामिल होकर भगवान शिव की आराधना एवं धार्मिक अनुष्ठानों का पुण्य लाभ प्राप्त करने का आग्रह किया है।

नाम परिवर्तन

मैं, अखिलेश कुमार शर्मा आत्मज दिनेश प्रसाद शर्मा, निवासी वार्ड न. 9, पांडवनगर, कोयलारी, तहसील सोहागपुर, जिला शहडोल, 484001, मध्य प्रदेश, यह घोषित करता हूँ कि मैंने अपना नाम बदलकर अखिलेश शर्मा रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नए नाम से जाना जाए।
शपथपत्र क्र.– 3005/2026,
दिनांक –30/06/2026

शहडोल संभाग के लिए लाइफ सेवर बना आदित्य सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल

डॉ. आदित्य द्विवेदी और उनकी ट्रॉमा यूनिट ने मौत के मुंह से छीने कई जीवन

त्रासदी के घने बादलों के बीच त्वरित चिकित्सा और अत्याधुनिक संसाधनों से फूटा नव-जीवन का उजाला

शहडोल। जब नियति भीषण दुर्घटनाओं के रूप में मनुष्य के धैर्य की परीक्षा ले रही हो, तब चिकित्सा विज्ञान की तत्परता ही उसकी सबसे बड़ी ढाल बनती है। शहडोल मुख्यालय और उसके सीमावर्ती अंचलों में विगत दिनों घटित तीन भयावह विपदाओं के मध्य आदित्य सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल एक अभेद्य सुरक्षा कवच बनकर उभरा है। अस्पताल के दूरदर्शी संचालक डॉ. आदित्य द्विवेदी की कर्तव्यनिष्ठा और उनकी कुशल ट्रॉमा टीम ने यह सिद्ध कर दिया है कि जीवन बचाना केवल एक पेशा नहीं, बल्कि एक पावन अनुष्ठान है।

त्रिविध त्रासदियों का कोहराम और उम्मीद का अंतहीन सफर

विगत कुछ सप्ताह शहडोल संभाग के लिए अग्निपरीक्षा के समान रहे, जहां तीन अलग-अलग तारीखों को प्रकृति और परिस्थितियों ने इंसानी जिंदगियों पर गहरा आघात किया। प्रथम घटना 5 जून की है, जब बंगवार भूमिगत कोयला खदान में अचानक सिम ढहने से कई श्रमिक मलबे में दफन हो गए। इसके बाद, 5 जुलाई को रेलवे कॉलोनी में एक जर्जर दीवार के भरभराकर गिरने से तीन मासूम बच्चे काल के गाल में समाने की कगार पर पहुंच गए। अभी यह जख्म हरा ही था कि 11 जुलाई को सौखी मोहल्ले में एक निर्माणाधीन भवन की दूसरी मंजिल की छत ढह गई, जिसमें मजदूर दब गए। इन तीनों ही हृदयविदारक हादसों में जब घायलों की सांसें उखडऩे लगी थीं, तब आदित्य सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल की त्वरित रिस्पॉन्स टीम ने अपनी पूरी ताकत झोंककर गोल्डन ऑवर का सर्वोत्तम उपयोग किया और मृत्यु की दहलीज पर खड़े हर एक मरीज को नया जीवनदान देकर क्षेत्र में एक नया इतिहास रच दिया।

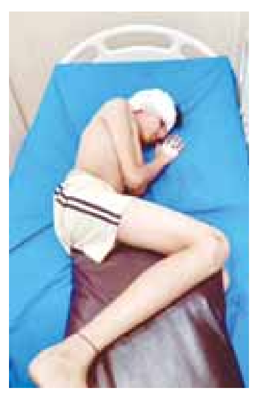

5 जून का वह भयावह खदान हादसा

बंगवार माइंस में हुए रूफ फॉल हादसे की विभीषिका इतनी तीव्र थी कि मलबे के नीचे दम घुटने और आंतरिक चोटों के कारण श्रमिकों की धडक़नें थमने लगी थीं। बुढ़ार सेंट्रल हॉस्पिटल से अत्यंत नाजुक हालत में जब अंजनी बैगा, अमित कुमार यादव, प्रेमलाल विश्वकर्मा और राजकुमार यादव को यहां लाया गया, तो दृश्य अत्यंत कारुणिक था। डॉ. आदित्य द्विवेदी ने स्वयं स्थिति की कमान संभाली। उनके कुशल निर्देशन में क्रिटिकल केयर एक्सपर्ट्स ने बिना एक क्षण गंवाए इन चारों श्रमिकों को तत्काल वेंटिलेटर सपोर्ट पर लिया। यह डॉक्टरों की रातों की नींद और तकनीकी श्रेष्ठता का ही प्रतिफल है कि आज वे चारों श्रमिक मृत्यु को मात देकर शनैः-शनैः स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं।

मासूमों की रक्षा और मलबे से उपजा जीवन

5 जुलाई का दिन शहर के इतिहास में एक अनचाहा दर्द बनकर आया, जब रेलवे इंस्टीट्यूट के समीप एक प्राचीन दीवार ने तीन मासूम बच्चों— कुमार, निशांत और अंशुमन पांडे को अपनी चपेट में ले लिया। सिर की गंभीर चोटों और फ्रैक्चर से कराहते इन बच्चों को देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा था कि शायद नियति कोई क्रूर मजाक करने जा रही है। किंतु, अस्पताल की विशिष्ट पीडियाट्रिक और ट्रॉमा टीम ने अपनी पूरी ऊर्जा झोंक दी। डॉ. आदित्य द्विवेदी के ममतामयी स्पर्श और त्वरित चिकित्सकीय निर्णयों ने उन मासूमों को जीवन की मुख्यधारा में वापस ला खड़ा किया, और वे अब पूरी तरह खतरे से बाहर हैं।

छत ढहने की त्रासदी और त्वरित शल्य चिकित्सा

बीती 11 जुलाई को वार्ड क्रमांक 28 स्थित सौखी मोहल्ले में जब निर्माणाधीन भवन की छत ढही, तो बृजेश, मूरत और बृजेंद्र नामक मजदूरों के लिए समय जैसे ठहर गया था। मलबे के भारी दबाव से लहूलुहान इन मजदूरों को तुरंत आदित्य सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल के आपातकालीन कक्ष में लाया गया। अस्पताल की मल्टी-डिसीप्लिनरी टीम, जिसमें न्यूरोसर्जन से लेकर ऑर्थोपेडिक सर्जन तक शामिल थे, तुरंत सक्रिय हो गई। आपातकालीन सर्जरी और क्रिटिकल केयर के त्वरित क्रियान्वयन से इन तीनों श्रमिकों को भी खतरे के दायरे से बाहर सुरक्षित निकाल लिया गया।

बड़े शहरों की निर्भरता का अंत

डॉ. आदित्य द्विवेदी, जो स्वयं आर्थो के एक ख्यातिलब्ध व बेहद मिलनसार चिकित्सक हैं, उन्होंने इस संस्थान को एक ऐसा स्वरूप दिया है, जहां एक ही छत के नीचे सीटी स्कैन, सोनोग्राफी और अत्याधुनिक पैथोलॉजी लैब जैसी उच्च-स्तरीय डायग्नोस्टिक सुविधाएं चौबीसों घंटे क्रियाशील रहती हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यहां 14 एडवांस्ड वेंटिलेटरों की उपलब्धता है, जो किसी भी गंभीर मरीज के लिए संजीवनी से कम नहीं है। अब शहडोल संभाग के नागरिकों को आकस्मिक आपदाओं के समय जबलपुर या नागपुर जैसे महानगरों की ओर भागने की विवशता नहीं है। यह अस्पताल आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों और मानवीय संवेदनाओं का एक ऐसा संगम बन चुका है, जो इस विंध्य धरा के लिए एक वरदान सिद्ध हो रहा है।

चचेरे भाई की फोटो लगा बनाया फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट

समाज में छवि धूमिल करने वाला शातिर शिवम सोनी गिरफ्तार

उमरिया। जिले के नौरोजाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम नरवार में दो सगे चचेरे भाइयों के बीच चल रहे जमीन के विवाद ने ऐसा मोड़ लिया कि एक भाई ने दूसरे को सामाजिक रूप से तबाह करने के लिए डिजिटल हथियार उठा लिया। रंजिश की कुंठा में अमानवीयता की सारी हदें पार करते हुए आरोपी भाई ने अपने ही चचेरे भाई का फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट बनाया, उसकी तस्वीर लगाई और उसकी पहचान चुराकर लोगों को गुमराह करने लगा। इस डिजिटल साजिश का भंडाफोड़ तब हुआ जब पीड़ित की शिकायत पर नौरोजाबाद पुलिस ने तकनीकी जांच का चाबुक चलाया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आईटी एक्ट और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की गंभीर धाराओं के तहत मुकदमा ठोक दिया है।

जमीन की रंजिश से सोशल मीडिया की साजिश तक

ग्राम नरवार निवासी आशीष सोनी और आरोपी शिवम सोनी आपस में चचेरे भाई हैं। दोनों परिवारों के बीच लंबे समय से पैतृक जमीन को लेकर विवाद चला आ रहा है। यह विवाद इस कदर बढ़ चुका है कि दोनों परिवार अब गांव में एक-दूसरे की शक्ल देखना भी पसंद नहीं करते और अलग-अलग स्थानों पर मकान बनाकर रह रहे हैं, लेकिन आरोपी शिवम सोनी के दिल में पल रही नफरत सिर्फ जमीन तक महदूद नहीं रही। आशीष को सामाजिक रूप से बदनाम करने और उसका मान-मर्दन करने के लिए शिवम ने एक खौफनाक साइबर चाल चली। उसने इंस्टाग्राम पर आशीष सोनी के नाम से एक फर्जी प्रोफाइल बनाई। शातिरपन की हद देखिए कि प्रोफाइल पिक्चर में आशीष की ही फोटो लगा दी, ताकि किसी को रत्ती भर भी शक न हो।

पहचान चुराई, छवि पर लगाया बट्टा

इसके बाद बदनामी का गंदा खेल शुरू हुआ। आरोपी खुद को आशीष सोनी बताकर उसके दोस्तों, रिश्तेदारों और परिचितों को मैसेज भेजने लगा। वह आशीष की पहचान ओढक़र लोगों से ऐसी बातचीत कर रहा था, जिससे समाज में आशीष की बदनामी हो। इस करतूत के कारण परिचितों के बीच भारी भ्रम की स्थिति पैदा हो गई। नतीजा यह हुआ कि आशीष सोनी की बरसों की कमाई सामाजिक प्रतिष्ठा पल भर में धूमिल होने लगी। इस फर्जीवाड़े की वजह से पीड़ित के कई व्यक्तिगत, व्यापारिक और सामाजिक काम ऐन वक्त पर बिगड़ गए और उसे भारी मानसिक प्रताडऩा झेलनी पड़ी।

बेनकाब हुआ अपनों का ही चेहरा

जब पानी सिर से ऊपर चला गया और आशीष को इस फर्जी आईडी का पता चला, तो उसने बिना वक्त गंवाए सीधे नौरोजाबाद थाने की चौखट पर दस्तक दी। मामले की संवेदनशीलता और साइबर अपराध की गंभीरता को देखते हुए नौरोजाबाद पुलिस तुरंत एक्शन मोड में आई। पुलिस की साइबर और टेक्निकल टीम ने जब डिजिटल साक्ष्यों के पन्ने पलटे और आईपी एड्रेस को ट्रैक किया, तो पर्दे के पीछे छिपा असली विलेन कोई बाहरी नहीं, बल्कि घर का ही चचेरा भाई शिवम सोनी निकला। शनिवार को पुलिस ने पुख्ता सबूतों के आधार पर आरोपी शिवम सोनी के खिलाफ शिकंजा कसते हुए विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली।

इन संगीन धाराओं में कसा कानून का शिकंजा

नौरोजाबाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कानून का कड़ा चाबुक चलाते हुए संगीन धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है, पुलिस ने आईटी एक्ट धारा 66(सी), 66(डी), 67 एवं 67(ए) के साथ ही भारतीय न्याय संहिताकी धारा 336(2), 336(4), 318(2) और 319(2) के तहत मामला पंजीबद्ध कर लिया, पुलिस का साफ कहना है कि विवेचना के दौरान जैसे-जैसे नए डिजिटल और फोरेंसिक साक्ष्य सामने आएंगे, आरोपी पर धाराओं का शिकंजा और कड़ा किया जाएगा।

फर्जीवाड़ा किया तो सीधे जाओगे जेल

नौरोजाबाद पुलिस ने आम नागरिकों और युवाओं से बेहद सख्त अपील की है कि सोशल मीडिया को रंजिश निकालने का अखाड़ा न बनाएं। पुलिस ने कहा किसी भी व्यक्ति के नाम, फोटो या पहचान का इस्तेमाल कर फर्जी अकाउंट बनाना, उसे बदनाम करना या समाज को गुमराह करना एक बेहद गंभीर और गैर-जमानती प्रकृति का साइबर अपराध है। इसके लिए कानून में सालों की कठोर कारावास और भारी जुर्माने का प्रावधान है। पुलिस ने जनता से सजग रहने की अपील की है कि यदि किसी के भी साथ ऐसा डिजिटल फ्रॉड या मानहानि होती है, तो वे तुरंत संबंधित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उसे रिपोर्ट करें और तत्काल स्थानीय पुलिस या राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराएं। बहरहाल, नरवार के इस मामले ने यह साबित कर दिया है कि साइबर अपराधी चाहे कितना भी शातिर क्यों न हो, और चाहे वह आपके घर के भीतर ही क्यों न छिपा हो, कानून के लंबे हाथ उसकी गर्दन तक पहुंच ही जाते हैं।

गहरे गड्ढे में समाते-समाते बची 25 यात्रियों से भरी बस, मची चीख-पुकार

उमरिया। नेशनल हाईवे-43 स्थित देवगांव रेलवे क्रॉसिंग का डायवर्सन मार्ग इन दिनों राहगीरों के लिए सडक़ दुर्घटनाओं का अड्डा बन चुका है। रविवार को यहां गहरवार ट्रेवल्स की एक यात्री बस मौत के गड्ढे में समाने से बाल-बाल बच गई। सतना से शहडोल जा रही इस बस में करीब 25 जिंदगियां सवार थीं, जो प्रशासनिक लापरवाही के कारण काल के गाल में समाने से बचीं। गनीमत रही कि हादसे में किसी को खरोंच तक नहीं आई, वरना एक बड़ा मातम तय था।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, देवगांव डायवर्सन के जानलेवा मोड़ पर अचानक सामने से एक अनियंत्रित कार आ गई। आमने-सामने की भीषण भिड़ंत को टालने के लिए बस चालक फैज न सूझबूझ दिखाई और स्टेयरिंग को किनारे काट दिया, लेकिन सडक़ किनारे बना गहरा और खतरनाक गड्ढा बस को लीलने के लिए तैयार था। बस का पहिया गड्ढे में उतरते ही गाड़ी अनियंत्रित होकर फंस गई।

झटके के साथ बस के झुकते ही भीतर बैठे यात्रियों में चीख-पुकार और अफरा-तफरी मच गई। सहमे यात्री जान बचाने के लिए खिड़कियों और दरवाजों से बाहर भागने लगे। स्थानीय लोगों और चालक की मुस्तैदी से सभी को सुरक्षित निकाला गया। सवाल यह है कि एनएचएआई और जिम्मेदार अमला इस खस्ताहाल डायवर्सन को दुरुस्त करने के लिए किसी बड़े खून-खराबे का इंतजार कर रहा है।

बिना पार्किंग संचालित हो रहे बैंक, सड़क पर खड़े वाहनों से रोज लग रहा जाम

करोड़ों का कारोबार करने वाले बैंक ग्राहकों को नहीं दे पा रहे मूलभूत सुविधा

हरिभूमि न्यूज कोतमा। नगर में संचालित कई राष्ट्रीयकृत एवं ग्रामीण बैंक वर्षों से बिना समुचित पार्किंग व्यवस्था के संचालित हो रहे हैं। करोड़ों रुपये का लेन-देन करने वाले इन बैंकों में ग्राहकों के लिए वाहन पार्क करने की सुविधा नहीं होने से लोग मजबूरी में अपने दोपहिया और चारपहिया वाहन सड़क किनारे खड़े कर देते हैं। इसका खामियाजा आम नागरिकों को प्रतिदिन जाम और यातायात अव्यवस्था के रूप में भुगतना पड़ रहा है। नगर में संचालित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया तथा विभिन्न ग्रामीण बैंकों की अधिकांश शाखाएं किराए के भवनों में संचालित हो रही हैं। इन भवनों में पार्किंग की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण बैंक आने वाले ग्राहक मुख्य मार्गों पर ही वाहन खड़े कर देते हैं। इससे सड़क संकरी हो जाती है और व्यस्त समय में जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है। सबसे अधिक परेशानी बस स्टैंड के समीप संचालित स्टेट बैंक शाखा के सामने देखने को मिलती है। मॉडल रोड पर स्थित इस शाखा में पार्किंग नहीं होने से ग्राहक सड़क पर ही वाहन खड़े कर देते हैं, जिससे आवागमन प्रभावित होता है और कई बार घंटों तक जाम लगा रहता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस समस्या से वर्षों से लोग परेशान हैं, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया। जानकारी के अनुसार, स्टेट बैंक को भवन किराए पर उपलब्ध कराते समय पार्किंग व्यवस्था उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया था। इसके बावजूद कई वर्ष बीत जाने के बाद भी बैंक परिसर में पार्किंग की सुविधा विकसित नहीं की गई है। वहीं अन्य बैंक शाखाओं की स्थिति भी कमोबेश ऐसी ही बनी हुई है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि बैंक प्रबंधन और भवन मालिक इस गंभीर समस्या की लगातार अनदेखी कर रहे हैं। पूर्व में नगर पालिका द्वारा पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित करने के संबंध में संबंधित बैंक प्रबंधकों को नोटिस भी जारी किए गए थे, लेकिन उन नोटिसों का कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया। नगरवासियों ने मांग की है कि नगर पालिका प्रशासन, बैंक प्रबंधन और भवन स्वामियों के साथ बैठक कर शीघ्र पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित कराए। यदि निर्धारित मानकों के अनुरूप पार्किंग की सुविधा उपलब्ध नहीं कराई जाती है तो नियमों के तहत आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि शहर की यातायात व्यवस्था सुचारु हो सके और आम लोगों को रोजाना होने वाली परेशानियों से राहत मिल सके।

श्री चंद्राचार्य धर्मार्थ चिकित्सालय में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर सम्पन्न

95 मरीजों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण, शुगर-बीपी जांच के साथ निःशुल्क दवाइयों का वितरण

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। श्री कल्याण सेवा आश्रम द्वारा संचालित चंद्राचार्य धर्मार्थ चिकित्सालय में नियमित जनसेवा के तहत रविवार को निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में अमरकंटक सहित आसपास के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से पहुंचे 95 मरीजों ने पंजीयन कराकर स्वास्थ्य परीक्षण कराया और विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श प्राप्त किया। शिविर के दौरान मधुमेह (शुगर) एवं उच्च रक्तचाप (बीपी) की विशेष जांच की गई। जांच उपरांत मरीजों को आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श देने के साथ निःशुल्क दवाइयों का भी वितरण किया गया। चिकित्सकों ने रोगियों को नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराने, संतुलित एवं पौष्टिक आहार लेने, नियमित व्यायाम करने तथा समय पर उपचार लेने की सलाह दी, जिससे कई गंभीर बीमारियों से बचाव संभव हो सके। शिविर में वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. सुभाष सिंह, डॉ. एस.के. तिवारी, डॉ. लाहड़ी तथा डॉ. राजेश नंदानी ने मरीजों का परीक्षण कर विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का निदान एवं उपचार संबंधी परामर्श दिया। शिविर के सफल संचालन में फार्मासिस्ट आदर्श विश्वकर्मा, लैब टेक्नीशियन राजेश कुमार तिवारी, सुखनंदन सिंह, रामसनेही नापित, श्रीमती ईश्वरी पंडराम एवं दीपक चंद्रवंशी ने पंजीयन, जांच, दवा वितरण एवं अन्य व्यवस्थाओं में सक्रिय सहयोग प्रदान किया। श्री कल्याण सेवा आश्रम के पदाधिकारियों ने बताया कि चंद्राचार्य धर्मार्थ चिकित्सालय में प्रत्येक रविवार को विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपस्थिति में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाते हैं, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर एवं दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सहज रूप से उपलब्ध हो सकें। शिविर में पहुंचे मरीजों एवं उनके परिजनों ने इस जनहितैषी पहल की सराहना करते हुए श्री कल्याण सेवा आश्रम एवं चिकित्सालय प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया। चिकित्सालय प्रबंधन ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे इन निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाकर अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें।

करोड़ों की सब्जी मंडी बनी शोपीस, सड़कों पर सज रही दुकानें, रोज लग रहा जाम

व्यवस्थित मंडी के बजाय मुख्य बाजार में फुटकर बिक्री, कार्रवाई नहीं होने से बढ़ी अव्यवस्था

हरिभूमि न्यूज कोतमा। नगर पालिका द्वारा करोड़ों रुपये की लागत से वार्ड क्रमांक-3 में निर्मित आधुनिक सब्जी मंडी अपने उद्देश्य से भटकती नजर आ रही है। मंडी का निर्माण इस सोच के साथ किया गया था कि शहर के सभी फुटकर सब्जी विक्रेता एक ही स्थान पर व्यवस्थित रूप से दुकान लगाएं, जिससे यातायात सुचारु रहे और आम नागरिकों को सुविधा मिले। लेकिन नगर पालिका प्रशासन की उदासीनता के चलते आज भी अधिकांश सब्जी विक्रेता नगर के मुख्य बाजार और व्यस्त सड़कों पर दुकानें लगाकर कारोबार कर रहे हैं। नगर पालिका ने पूर्व में मुख्य सड़कों से सब्जी दुकानें हटाकर विक्रेताओं को सब्जी मंडी, अंडरब्रिज और अटल चौपाटी के पास व्यवस्थित रूप से दुकान लगाने के निर्देश दिए थे। कुछ समय तक इस दिशा में कार्रवाई भी हुई और दो-तीन दिनों तक पुराना फाटक रोड क्षेत्र में व्यवस्था बनाई गई, लेकिन इसके बाद अभियान ठंडे बस्ते में चला गया। परिणामस्वरूप एक बार फिर आजाद चौक, गांधी चौक, चंदेरिया आभूषण के समीप तिराहा और पुराना फाटक रोड सहित कई स्थानों पर सड़क किनारे सब्जी बाजार सजने लगा है। मुख्य मार्गों पर सब्जी दुकानें लगने और ग्राहकों द्वारा सड़क पर ही दोपहिया वाहन खड़े कर देने से प्रतिदिन जाम की स्थिति बन रही है। सबसे अधिक परेशानी गांधी चौक क्षेत्र में देखने को मिलती है, जहां सड़क के बीचों-बीच दुकानें लगने से लगभग 20 फीट चौड़ी सड़क सिमटकर करीब 5 फीट रह जाती है। इससे राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों के अनुसार इस

समस्या को लेकर पूर्व में मध्यप्रदेश शासन के तत्कालीन राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल के समक्ष भी शिकायत की गई थी। नगर पालिका सभाकक्ष में हुई बैठक के दौरान उन्होंने अधिकारियों को सभी सब्जी विक्रेताओं को निर्धारित सब्जी मंडी में ही व्यवस्थित करने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद आज भी सड़कों पर दुकानें लग रही हैं और प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से व्यवस्था लगातार बिगड़ती जा रही है। वहीं, सब्जी मंडी के भीतर नियमित रूप से दुकान लगाने वाले व्यापारियों में भी नाराजगी बढ़ रही है। उनका कहना है कि बाजार की अधिकांश दुकानें सड़क पर लगने से ग्राहक मंडी तक नहीं पहुंचते, जिससे दिनभर इंतजार करने के बावजूद बिक्री नहीं हो पाती। व्यापारियों ने चेतावनी दी है कि यदि नगर पालिका ने सभी विक्रेताओं को मंडी परिसर में स्थानांतरित नहीं कराया तो वे भी मजबूर होकर सड़क पर दुकान लगाने लगेंगे। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि नगर पालिका प्रशासन सब्जी मंडी का प्रभावी संचालन सुनिश्चित कर सभी फुटकर विक्रेताओं को एक स्थान पर व्यवस्थित कर दे, तो शहर की यातायात व्यवस्था सुधरेगी, जाम की समस्या कम होगी और करोड़ों रुपये की लागत से निर्मित सब्जी मंडी का उद्देश्य भी पूरा हो सकेगा।

खबर संक्षेप

भाजपा किसान मोर्चा कोतमा नगर मंडल को मिला नया नेतृत्व

कोतमा। भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक विस्तार अभियान के तहत भाजपा किसान मोर्चा, कोतमा नगर मंडल को नया नेतृत्व मिला है। पार्टी ने सचिन तिवारी को किसान मोर्चा का नगर मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति से पार्टी कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों में उत्साह का माहौल है। नवनियुक्त नगर मंडल अध्यक्ष सचिन तिवारी को कार्यकर्ताओं ने शुभकामनाएँ देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में किसान मोर्चा संगठनात्मक रूप से और अधिक सशक्त होगा तथा किसानों के हितों से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाया जाएगा। सचिन तिवारी ने अपनी नियुक्ति पर भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व, प्रदेश एवं जिला संगठन तथा किसान मोर्चा के वरिष्ठ पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संगठन ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस पर पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ खरा उतरने का हरसंभव प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाना, किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ उठाना तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक किसानों तक पहुँचाना उनकी प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा। स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं ने उम्मीद जताई कि सचिन तिवारी के नेतृत्व में किसान मोर्चा कोतमा नगर मंडल में संगठनात्मक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। साथ ही किसानों के बीच पार्टी की नीतियों एवं योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कर संगठन को और अधिक मजबूत बनाया जाएगा।

आज से दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान का तृतीय चरण

उमरिया। पशुपालन एवं डेयरी विभाग व्दारा जिले में दुग्ध संपर्क उत्पादन बढाने एवं पशु पालको को वैज्ञानिक पशुपालन के प्रति जागरूक करने के उददेश्य से दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान का तृतीय चरण आगामी 13 जुलाई से 18 जुलाई तक संचालित किया जाएगा। उप संचालक पशुपालन एवं डेयर विभाग डॉ. एच.पी.शुक्ला ने बताया कि अभियान अंतर्गत जिले के सभी विकासखंडों में कुल 4460 पशु पालक परिवारो तक विभागीय मैदानी अमला पहुंचकर सर्वेक्षण, मार्गदर्शन एवं जागरूकता गतिविधियां संचालित करेगा । इस दौरान पशु नस्ल सुधार की जानकारी दी जाएगी । उन्होंने बताया कि अभियान के तहत ऐसे पशु पशु पालको को शामिल किया गया है जिनके पास तीन से 4 गौवंश अथवा भैंस वंश है । विभागीय मैदानी अमला घर घर पहुंचकर पशु पालको से सीधे संवाद स्थापित करेगा तथा उन्हे नस्ल सुधार, संतुलित पशु पोषण, हरे चारे के बेहतर प्रबंधन , पशुओ के स्वास्थ्य संरक्षण , मौसली बीमारियों की रोकथाम एवं नियमित टीकाकरण सहित वैज्ञानिक पशु पालन की विभिन्न तकनीको की जानकारी देगा।

कार में अचानक लगी आग, जलकर हुई खाक

कटनी। माधव नगर थाना क्षेत्र में शनिवार को कार में अचानक भीषण आग लग गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार दोपहर लगभग 12:44 बजे पुलिस कंट्रोल रूम कटनी को सूचना मिली कि माधव नगर थाना अंतर्गत कुंदनदास स्कूल के सामने एक कार धूं-धूं कर जल रही है। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग तत्काल एक्शन में आया। बिना समय गंवाए सिविल लाइन जोन से 01 फायर ब्रिगेड वाहन को तुरंत घटनास्थल के लिए रवाना किया गया।

राज्य सलाहकार ने प्रगति एवं विकास कार्यों का किया अवलोकन

पंचायत अचीवमेंट इंडेक्स के अंतर्गत उत्कृष्ट रैंकिंग प्राप्त करते हुए जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली ग्राम पंचायत पठारी में विकास कार्यों की निरंतरता और गुणवत्ता को देखने के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह के मार्गदर्शन में यह भ्रमण आयोजित किया गया।

उमरिया।

इसका उद्देश्य मुख्य ध्येय आगामी पीएआई 3.0 के स्कोर में भी पंचायत के उत्कृष्ट और आदर्श प्रदर्शन को सुनिश्चित करना तथा जमीनी स्तर पर हो रहे कार्यों का अवलोकन करना था।

भ्रमण के दौरान राज्य सलाहकार द्वारा ग्राम पंचायत पठारी में पंचायत कार्यालय परिसर पूरी तरह से स्वच्छ, सुव्यवस्थित और आम जनता के अनुकूल पाया गया। डिजिटल गवर्नेंस और ऑनलाइन पंचायत कार्यों के लिए कंप्यूटर कक्ष पूरी तरह क्रियाशील है, जिससे पंचायत का प्रशासनिक कार्य पेपरलेस और तीव्र गति से हो रहा है। सी.एस.सी. केंद्र ग्रामीणों को बैंकिंग, प्रमाण पत्र और अन्य ऑनलाइन शासकीय सेवाएं स्थानीय स्तर पर ही सुगमता से मिल रही हैं। बेहतर खेल स्टेडियमः युवाओं और बच्चों के शारीरिक विकास के लिए खेल स्टेडियम का निर्माण और उसका रख-रखाव उच्च स्तर का पाया गया। स्थानीय स्तर पर कुपोषण को दूर करने और ताजी सब्जियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए यह पहल बेहद प्रभावी ढंग से संचालित है।जिससे जुड़े लगभग 11 परिवारों को सीधे तौर पर आर्थिक लाभ प्राप्त हो रही है। पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन के उद्देश्य से विकसित की गई नर्सरी और देवारण्य प्रोजेक्ट की प्रगति संतोषजनक रही। कचरा प्रबंधन और स्वच्छता के प्रति ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए चलाए जा रहे स्वच्छता रथ की कार्यप्रणाली को सराहा गया। जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण और आपसी संवाद के लिए नियमित रूप से आयोजित होने वाली जन चौपाल की व्यवस्था को एक आदर्श मॉडल माना गया। मिशन के अंतर्गत हर घर नल से जल पहुंचाने और पेयजल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की दिशा में पंचायत द्वारा किया गया कार्य अत्यंत उत्कृष्ट श्रेणी का पाया गया। ग्राम पंचायत द्वारा ग्राम वासियों के लिए विशेषकर महिलाओं और बालिकाओं के लिए सोलर स्ट्रीट लाइट भी लगाई गई है जो रात में भी एक सुरक्षित वातावरण का निर्माण करती है। राज्य सलाहकार नवीन शिवा ने वर्तमान व्यवस्थाओं पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि पठारी पंचायत ने पीएआई2.0 में जो कीर्तिमान स्थापित किया है, उसे पीएआई 3.0 में और ऊंचे स्तर पर ले जाने की पूरी क्षमता यहाँ दिखती है। डी.पी.एम. खेम लाल साहू ने सुझाव दिए कि सभी कार्यों के भौतिक सत्यापन के साथ-साथ उनके ऑनलाइन पोर्टल एंट्री और आवश्यक दस्तावेजीकरण को पूरी तरह अपडेट रखा जाए। इस अवसर पर सरपंच गोविन्द प्रसाद गौतम, ग्राम रोजगार सहायक राजकुमार शुक्ला एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

बाढ़ एवं आपदा से बचाव संबंधी जनजागरूकता के लिए मुनादी करानें के दिए निर्देश

जोहिला वॉटरफॉल सहित अन्य संवदेनशील स्थलों का किया गया निरीक्षण

उमरिया।

कलेक्टर राखी सहाय के निर्देशानुसार वर्षाकाल के दौरान संभावित बाढ़ एवं जलजनित दुर्घटनाओं की रोकथाम के उद्देश्य से एसडीएम मानपुर, सीईओ जनपद पंचायत मानपुर तथा प्लाटून कमांडर होमगार्ड द्वारा संयुक्त रूप से जोहिला वॉटरफॉल, सरसी आइलैंड, इटमा बोट क्लब सहित अन्य संवेदनशील स्थलों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन स्थानों का विशेष रूप से जायजा लिया गया, जहां बारिश के मौसम में जनहानि की आशंका बनी रहती है।अधिकारियों ने संबंधित ग्राम पंचायतों के सचिवों एवं ग्राम रोजगार सहायकों को निर्देश दिए कि आसपास के सभी गांवों में बाढ़ एवं आपदा से बचाव संबंधी जनजागरूकता के लिए नियमित रूप से मुनादी कराई जाए, ताकि ग्रामीणों और पर्यटकों को संभावित खतरों के प्रति समय रहते सचेत किया जा सके। साथ ही, वॉटरफॉल, नदी, तालाब एवं अन्य जलाशयों के आसपास ऐसे सभी स्थानों पर चेतावनी एवं सावधानी संबंधी नोटिस बोर्ड लगाए जाएं, जहां दुर्घटना होने की संभावना रहती है। प्रशासन ने आमजन से भी अपील की है कि वर्षाकाल में जलभराव वाले क्षेत्रों, तेज बहाव वाली नदियों तथा वॉटरफॉल के समीप अनावश्यक रूप से जाने से बचें और प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करें, ताकि किसी भी प्रकार की जनहानि को रोका जा सके।

केसरवानी महिला सभा ने एक पेड़ मां के नाम में लगभग दो दर्जन पौधारोपण किया

विधायक कि अध्यक्षता में केशरी नन्दन गौशाला में

ब्योहारी। ब्योहारी के क्षेत्रीय विधायक व नगर परिषद अध्यक्ष जी कि अध्यक्षता में केसरवानी महिला सभा के द्वारा केशरी नन्दन गौशाला में एक पेड़ मां के नाम पर लगभग दो दर्जन औषधीय का पौधारोपण किया गया* केसरवानी महिला सभा कि मातृशक्ति ने क्षेत्रीय विधायक श्री शरद जुगलाल कोल व नगर परिषद अध्यक्ष श्री कृष्ण गुप्ता ₹ राजन ₹ साथ ही वार्ड आठ के पार्षद अशीश गुप्ता भाजपा मन्डल अध्यक्ष विनय कुमार गुप्ता मोनू व केशरी नन्दन गौशाला सेवा समिति के अध्यक्ष सहित समस्त कार्यकर्ता फूल माला से स्वागत करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि हम महिला बहन का उद्देश्य है कि नगर परिषद क्षेत्र में लगभग 500 पौधारोपण एक पेड़ मां के नाम करूंगी आज तो हम सभी केसरवानी महिला सभा बहनों के द्वारा केशरी नन्दन गौशाला सेवा समिति से वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया। क्षेत्रीय विधायक श्री शरद जुगलाल कोल अपने उद्बोधन में मातृशक्ति प्रणाम करते हुए उनके मार्गदर्शक एक पेड़ मां के नाम के अभियान को लेकर चल रही मातृशक्ति जब जब आप वृक्षारोपण कार्यक्रम में जब आमांत्रित करेंगी तो मैं आपके कार्यक्रम अवश्य आऊंगा साथ ही शासन के द्वारा माताओं बहनों को स्वः स्वायतता में मातृशक्ति अपनी महिला टीम बना कर स्वरोजगार के लिए पूरा सहयोग रहेंगा और हम चाहते हैं कि माताएं बहनें कि अपने अपने रोजगार कर महिला मातृशक्ति सस्शक्ति बने आप मातृशक्ति का उद्देश्य सुन बहुत अच्छा लगा कि आप केसरवानी महिला सभा कि और से लगभग 500 वृक्षारोपण का कार्यक्रम लेकर चल रही है आप सभी आप लोगों अपने लक्ष्य में सफलता प्राप्त करें। *केशरी नन्दन गौशाला कुछ मांगों पर विधायक जी के द्वारा जो जाटिल समस्या है सड़क निर्माण सहित सभी समास्या हल होगी और मैं चाहता हूं गौ माता के निवास अच्छा हो जिससे ब्योहारी गौशाला का स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएं

नगर में नो-एंट्री तोड़ने यातायात नियमों के उल्लंघन पर पुलिस की सख्त कार्रवाई, दो भारी वाहनों के काटे चालान

बुढ़ार ।सड़क सुरक्षा को लेकर स्थानीय पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आ रहा है। यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के उद्देश्य से पुलिस ने नगर में नो-एंट्री का उल्लंघन करने और वाहनों में संपूर्ण बैरक न होने के कारण दो बड़े वाहनों के विरुद्ध कड़ी चालानी कार्रवाई की है।

मिली जानकारी के अनुसार, नियमों की अनदेखी करने वाले निम्नलिखित वाहनों पर जुर्माना लगाया गया हैःवाहन क्रमांक MP 21 ZC 8739ः इस वाहन के चालक मो. इसराज के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट (MV Act) के तहत 500 रुपये का जुर्माना किया गया।वाहन क्रमांक MP 21 ZC 2861ः इस वाहन के चालक शेख साबिर को वाहन के साथ अनाधिकृत रूप से हस्तक्षेप करने (नो-एंट्री में प्रवेश/लापरवाही) पर 1,000 रुपये का चालान थमाया गया।

नियमों का उल्लघंन ना करें

नगर निरीक्षक विनय सिंह गहरवार ने साफ तौर पर कहाकि नगर की यातायात व्यवस्था और आम नागरिकों की सुरक्षा से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नो-एंट्री के नियमों का उल्लंघन करने वाले भारी वाहन चालकों के खिलाफ आगे भी इसी तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

जिला शिक्षा अधिकारी ने सांदीपनि विद्यालय का किया औचक निरीक्षण

उमरिया।

शासकीय सांदीपनि उ.मा.वि. मॉडल करकेली, शास. उ.मा.वि. करकेली, का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा संस्था प्रमुखो को सभी लोकसेवक निर्देशानुसार प्रतिदिन शिक्षक एप्प मे ई-अटेंडेंस लगाने, कक्षावार, माहवार एंव विषयवार शैक्षणिक गतिविधियां कराने, शासकीय शालाओ में ''स्वच्छता साथी - वॉश ऑन व्हील'' सेवा का अधिक से अधिक उपयोग करने, समस्त संस्था प्रमुख शत प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने, शिक्षक राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2026 हेतु नामांकन करने, समस्त संस्था प्रमुख मिशन लाईफ पोर्टल मे नोटिफिकेशन अपलोड कर अधिक से अधिक वृक्षारोपण करा कर फोटो अपलोड करने, समस्त संस्था प्रमुख गुरू-पूर्णिमा पखवाड़ा 15 जुलाई से 29 जुलाई 2026 तक कैलेण्डर अनुसार आयोजित सुनिश्चित करनें, सभी संस्था प्रमुख किसी भी स्थिति में जर्जर भवन मे विद्यार्थियों को न बैठाने, समस्त संस्था प्रमुख सी.सी.एल.ई., उज्ज्वल एवं उमंग हेल्थ एण्ड वेलनेस अंतर्गत कैलेण्डर अनुसार गतिविधियों का आयोजन कर लिंक मे जानकारी भरवाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा शिक्षकों की शिक्षक डायरी चेक की गई एवं प्राचार्य को निर्देशित किया गया कि सभी शिक्षकों की शिक्षक डायरी शिक्षण के उपरांत प्रतिदिन चेक कर हस्ताक्षर करे एवं सभी विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षा एवं शिक्षा के लिए प्रेरित किया गया।

11आर्यिका गुरु मां का होगा चातुर्मासः 4 महीनों तक होगी धर्मरस की वर्षा

बुढार।

चातुर्मास के पावन चार महीनों में जैन साधु और साध्वियाँ एक ही स्थान पर रुककर अपनी कठोर साधना में लीन रहते हैं और धर्म की प्रभावना को बढ़ाते हैं। इसी कड़ी में, परम पूज्य आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की परम शिष्या और वर्तमान संघ आचार्य श्री समय सागर जी महाराज की आज्ञा से, आर्यिका 105 श्री रिजुमति माताजी सहित कुल 11 आर्यिकाओं का इस वर्ष का मंगल चातुर्मास संभवतः बुढार नगर में संपन्न होने जा रहा है।

गाजे-बाजे के साथ हुई भव्य अगवानी

चातुर्मास हेतु अमरकंटक प्रवास से पद विहार करते हुए आर्यिका संघ आज 12 जुलाई को नगर पहुँचा। सुबह 8 बजे शासकीय महाविद्यालय तिराहा (धनपुरी, बुढार) स्थित श्री वासुपूज्य जिनालय जैन मंदिर के समक्ष संघ की अत्यंत भव्य और मंगल अगवानी की गई। इस पावन अवसर पर धनपुरी और बुढार जैन समाज के महिला-पुरुषों, युवाओं और बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और गाजे-बाजे व जयकारों के साथ पूज्य माताजी के संघ का स्वागत किया।

सज-धज कर तैयार बुढार नगरी पूज्य आर्यिका माँ के चातुर्मास कलश स्थापना और आगामी धार्मिक अनुष्ठानों को लेकर पूरे बुढार नगर में भारी उत्साह का माहौल है। इस ऐतिहासिक और आध्यात्मिक आयोजन के लिए बुढार नगरी को विशेष रूप से सजाया और संवारा जा रहा है। आने वाले चार महीनों में यहाँ भक्ति, त्याग और तपस्या की अविरल धारा बहेगी।

योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही और कोताही बर्दाश्त नहीं

सहायक यंत्री को नोटिस, एनआरएलएम टीम के वेतन आहरण पर रोक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी

निर्माण एवं विकास कार्यों का प्रगति के आधार पर मूल्यांकन एवं समयबद्ध भुगतान कराएं। केंद्र सरकार एवं राज्य शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में परिणाम मूलक त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित करें। निर्माण एवं विकास कार्यों को नियत समय सीमा में गुणवत्ता पूर्ण तरीके से पूर्ण कराएं। दायित्वों और कर्तव्यों के निर्वहन में किसी भी प्रकार की लापरवाही और कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ये निर्देश जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर ने शुक्रवार को जिला पंचायत के सभा कक्ष में आयोजित पंचायत एवं ग्रामीण विकास की समीक्षा बैठक में उपस्थित जनपद स्तरीय अधिकारियों को दिए। उन्होंने सख्त लहजे में हिदायत देते हुए कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही पाए जाने पर जवाब देही तय कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बगैर अनुमति अनुपस्थिति पर नोटिस

सुश्री कौर ने जनपद पंचायत वार आंगनबाड़ी भवनों की पूर्णता, वीबी जी राम जी, जल गंगा संवर्धन अभियान, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, एनआरएलएम,15वां वित्त, डीएमएफ मद से स्वीकृत मेजर मरम्मत कार्य, स्वच्छ भारत मिशन, वृंदावन ग्राम, सीएम हेल्पलाइन, न्यायालय प्रकरण की गहन समीक्षा की। उन्होंने जल गंगा संवर्धन अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने पर संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों को बधाई दी। सख्ती से निर्देशित करते हुए जिला पंचायत सीईओ ने रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिक प्राथमिकता से पूर्ण कराए जाने की निर्देश दिए।

जनपद पंचायत विजयराघवगढ़ के सहायक यंत्री श्री अरुण चतुर्वेदी के बिना सूचना के बैठक में अनुपस्थित रहने पर नाराजगी जताते हुए शोकाज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। ढीमरखेड़ा की एनआरएलएम टीम की प्रगति न्यून,असंतोष जनक पाए जाने पर प्रगति आने तक वेतन रोकने हेतु जनपद पंचायत ढीमरखेड़ा के सीईओ को निर्देशित किया।

आंगनवाड़ी भवनों में बाल सुलभ शौचालय और पूर्ण होने की स्थिति में ग्राम पंचायत को हस्तांतरण की कार्रवाई बिना देर किए करें। एमडीएम के अंतर्गत खाद्यान्न उठाव और बर्तन हेतु उपलब्ध राशि के उपयोग पर विशेष ध्यान रखें। सुश्री कौर ने मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल जन हितैषी योजना के पंजीयन, लंबित प्रकरणों और अनुग्रह सहायता संबंधी मामलों में संवेदनशीलता के साथ त्वरित कार्यवाही करते हुए निराकरण के निर्देश अधिकारियों को दिए।

जिला पंचायत सीईओ सुश्री कौर ने समीक्षा करते हुए कहा कि विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत रोजगार गारंटी परिषद भोपाल से प्राप्त निर्देशों के अनुरूप वित्तीय और अन्य प्रक्रिया समय पर पूर्ण करें। श्रमिक नियोजन में वृद्धि करें। श्रमिकों को 100 दिवस की जगह 125 दिन का रोजगार एवं दैनिक मजदूरी 300 रूपये शासन के निर्देशानुसार निर्धारित की गई है इसका व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य स्थल पर समग्र जानकारी प्रदर्शित करते हुए सूचना पटल आवश्यक रूप से लगाए।

अवैध वसूली की शिकायत पर तीन दिन में जवाब किया तलब

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी

नगर पालिक निगम कटनी में सफाई कर्मचारियों से अवैध रूप से धनराशि मांगने की वार्ड क्रमांक 2 के सफाई कर्मचारियों के शिकायती पत्र को गंभीरता से लेते हुए निगम आयुक्त सुश्री तपस्या परिहार के निर्देश पर वार्ड क्रमांक 2 के प्रभारी वार्ड दरोगा भरत गौर, जयहिंद के को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया है। कर्मचारियों की शिकायत के आधार पर मामले की जांच प्रारंभ करते हुए संबंधित वार्ड प्रभारी को तीन दिवस के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

उपयुक्त श्रीमती प्रियंका झारिया द्वारा जारी सूचना पत्र के अनुसार वार्ड क्रमांक-02 के समस्त सफाई कर्मचारियों द्वारा संयुक्त आवेदन प्रस्तुत कर शिकायत की गई है कि प्रभारी द्वारा कर्मचारियों से 3-3 हजार रुपये की मांग की गई। राशि नहीं देने पर कार्य से हटाने तथा अन्य वार्डों में स्थानांतरण कराने, पेंशन एवं अन्य प्रकरणों में विलंब किए जाने जैसी धमकी दिए जाने का भी उल्लेख शिकायत में किया गया है। शिकायत में इस प्रकार का आचरण कर्मचारी आचरण संहिता के विपरीत बताया गया है।

तो होगी कार्यवाही

निगम उपायुक्त श्रीमती झरिया ने मामले को गंभीर मानते हुए संबंधित प्रभारी को तीन दिवस के भीतर अपना पक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यदि निर्धारित समयावधि में संतोषजनक स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं किया जाता अथवा आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए जाते हैं, तो नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

खबर संक्षेप

अरविंद सिंह को आज दी जाएगी अंतिम विदाई

अनूपपुर। जिले के शिक्षा जगत के लिए यह अपूरणीय क्षति का क्षण है। वार्ड क्रमांक 9 निवासी, वरिष्ठ सेवानिवृत्त शिक्षक अरविंद सिंह का लंबी बीमारी के बाद उपचार के दौरान निधन हो गया। वे पिछले तीन-चार माह से गंभीर रूप से अस्वस्थ थे और उनका उपचार सीएमसी वेल्लूर में चल रहा था। गुरुवार देर शाम उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन का समाचार मिलते ही पूरे जिले में शोक की लहर दौड़ गई। शिक्षा विभाग, सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों, पूर्व विद्यार्थियों एवं नागरिकों ने गहरा दुःख व्यक्त करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। स्वर्गीय अरविंद सिंह, स्वर्गीय सुदामा सिंह के ज्येष्ठ पुत्र थे। उन्होंने अपने लंबे शिक्षकीय जीवन में हजारों विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ संस्कार, अनुशासन, नैतिकता और मानवीय मूल्यों का पाठ पढ़ाया। वे केवल एक शिक्षक ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के मार्गदर्शक, प्रेरणास्रोत और समाज के लिए आदर्श व्यक्तित्व थे। उनकी सादगी, कर्तव्यनिष्ठा, विनम्र व्यवहार और शिक्षा के प्रति समर्पण ने उन्हें जिले में विशिष्ट पहचान दिलाई। उनके निधन से शिक्षा जगत ने अपना एक अनुभवी एवं सम्मानित स्तंभ खो दिया है। उनके सान्निध्य में शिक्षा प्राप्त करने वाले अनेक विद्यार्थी आज प्रशासन, शिक्षा, सामाजिक सेवा एवं अन्य क्षेत्रों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। उनके निधन से न केवल परिवार, बल्कि पूरा जिला स्वयं को शोकाकुल महसूस कर रहा है। परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, स्वर्गीय अरविंद सिंह का अंतिम संस्कार सोमवार प्रातः 10:00 बजे अनूपपुर के सोन नदी स्थित मुक्तिधाम में किया जाएगा। अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में परिजन, रिश्तेदार, पूर्व विद्यार्थी, शिक्षक, जनप्रतिनिधि एवं समाज के लोग शामिल होकर उन्हें नम आंखों से अंतिम विदाई देंगे। जिले के विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक एवं पत्रकार संगठनों ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की है कि वे पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिवार को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। एक शिक्षक का जाना केवल एक परिवार की नहीं, बल्कि पूरे समाज की क्षति होती है। अरविंद सिंह का व्यक्तित्व और उनके संस्कार सदैव लोगों के हृदय में जीवित रहेंगे।

रेलवे की जनसुविधाओं को लेकर आज कांग्रेस का प्रदर्शन

अनूपपुर। जिले की लंबे समय से लंबित रेलवे एवं जनसुविधाओं से जुड़ी समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर आज सोमवार को जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में अनूपपुर रेलवे स्टेशन में प्रदर्शन कर रेलवे महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर के नाम स्टेशन अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

इस कार्यक्रम का नेतृत्व पुष्पराजगढ़ विधायक फुन्देलाल सिंह मार्को करेंगे। ज्ञापन सौंपने का कार्यक्रम प्रातः 11 बजे निर्धारित है। जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री सत्येंद्र स्वरूप दुबे ने बताया कि ज्ञापन में आम जनता से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रमुखता से शामिल किया गया है। इनमें बिलासपुर मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) कार्यालय द्वारा वेकटनगर एवं निगौरा रेलवे स्टेशनों पर ट्रेनों के स्टॉपेज को लेकर दिए गए आश्वासन के बावजूद अब तक कार्रवाई नहीं किए जाने का मामला प्रमुख रहेगा। कांग्रेस इस वादाखिलाफी पर रेलवे प्रशासन से जवाब मांगते हुए शीघ्र ट्रेनों का ठहराव सुनिश्चित करने की मांग करेगी। इसके अलावा अनूपपुर रेलवे आरक्षण केंद्र के समय में की गई कटौती से यात्रियों को हो रही असुविधा को देखते हुए पूर्व समय-सारिणी बहाल करने की मांग भी की जाएगी। ज्ञापन में रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक 1 से प्लेटफॉर्म क्रमांक 3 तक प्रस्तावित फुट ओवरब्रिज का निर्माण शीघ्र पूरा कराने, स्टेशन के सर्कुलेशन एरिया के बाहर यात्रियों के लिए सुलभ कॉम्प्लेक्स की व्यवस्था करने तथा वर्षों से लंबित रेलवे ओवरब्रिज निर्माण कार्य को समयबद्ध ढंग से पूरा कराने की मांग भी शामिल रहेगी। महामंत्री सत्येंद्र स्वरूप दुबे ने कहा कि यह आंदोलन किसी राजनीतिक उद्देश्य से नहीं, बल्कि क्षेत्र की जनता की वर्षों पुरानी समस्याओं के समाधान और जनसुविधाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों तथा नागरिकों से बड़ी संख्या में उपस्थित होकर इस जनहित अभियान में सहभागिता निभाने की अपील की है।

कंपोजिट शराब दुकान क्रमांक-2 के संचालन पर उठे सवाल, नियमों की अनदेखी के आरोप

शिकायतों पर कार्रवाई नहीं होने से आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली भी चर्चा में, निष्पक्ष जांच की मांग तेज

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिला मुख्यालय क्षेत्र में संचालित कंपोजिट शराब दुकान क्रमांक-2 के संचालन को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय नागरिकों, सामाजिक संगठनों एवं जनप्रतिनिधियों का आरोप है कि दुकान के संचालन में आबकारी विभाग द्वारा निर्धारित नियमों एवं शर्तों का पालन नहीं किया जा रहा है। शिकायतों के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली भी सवालों के घेरे में आ गई है। जानकारों के अनुसार शासन ने शराब दुकानों के संचालन के लिए समय-सीमा, सुरक्षा व्यवस्था, स्टॉक प्रबंधन, बिक्री प्रक्रिया तथा उपभोक्ता हितों से जुड़े स्पष्ट दिशा-निर्देश निर्धारित किए हैं। इनका उद्देश्य राजस्व व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखने के साथ-साथ कानून-व्यवस्था और सार्वजनिक हितों की रक्षा करना है। इसके बावजूद स्थानीय स्तर पर आरोप लगाए जा रहे हैं कि कंपोजिट शराब दुकान क्रमांक-2 के संचालन में इन नियमों की अनदेखी की जा रही है। शिकायतों में दुकान संचालक दिग्विजय सिंह का नाम भी सामने आने का दावा किया जा रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि मामले की शिकायत संबंधित अधिकारियों तक पहुंचने के बाद भी अपेक्षित कार्रवाई नहीं की जाती। उनका आरोप है कि यही कारण है कि नियमों के उल्लंघन की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। लोगों का मानना है कि यदि शिकायतों पर समयबद्ध एवं निष्पक्ष कार्रवाई हो तो ऐसी परिस्थितियों पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि जिले की सभी शराब दुकानों का औचक निरीक्षण कराया जाए तथा जहां भी आबकारी अधिनियम एवं विभागीय नियमों का उल्लंघन पाया जाए, वहां संबंधित संचालकों के विरुद्ध बिना किसी भेदभाव के नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाए। उनका कहना है कि कानून का पालन सभी के लिए समान रूप से सुनिश्चित होना चाहिए।

निगरानी व्यवस्था मजबूत करने की जरूरत

स्थानीय लोगों का कहना है कि आबकारी विभाग को नियमित निरीक्षण, शिकायतों के त्वरित निराकरण एवं पारदर्शी कार्रवाई की व्यवस्था और अधिक प्रभावी बनानी चाहिए। उनका मानना है कि इससे न केवल नियमों का पालन सुनिश्चित होगा बल्कि विभाग के प्रति जनता का विश्वास भी मजबूत होगा।

कलेक्टर एवं वरिष्ठ अधिकारियों से जांच की मांग

नागरिकों ने कलेक्टर तथा आबकारी विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, शराब दुकानों के संचालन की व्यापक समीक्षा करने तथा यदि जांच में किसी प्रकार की अनियमितता सामने आती है तो संबंधित जिम्मेदारों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने की मांग की है।

स्कूल चलें अभियान के तहत जिलेभर के विद्यालयों का सतत निरीक्षण

शाला प्रवेश, नामांकन एवं नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने पर प्रशासन का विशेष फोकस

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। राज्य शासन की मंशा के अनुरूप संचालित स्कूल चलें अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला प्रशासन द्वारा जिलेभर के शासकीय विद्यालयों में सतत निरीक्षण कराया जा रहा है। कलेक्टर हर्षल पंचोली एवं जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अर्चना कुमारी के निर्देशन में जिला स्तरीय अधिकारियों को ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों के विद्यालय आवंटित किए गए हैं। निर्धारित ड्यूटी कैलेंडर के अनुसार अधिकारी नियमित रूप से विद्यालयों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेने के साथ अभियान की प्रगति की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। अभियान के दौरान विद्यालय से बाहर रह गए तथा अप्रवेशी बच्चों का चिन्हांकन कर उनका शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित कराया जा रहा है। निरीक्षण के समय अधिकारियों द्वारा विद्यार्थियों के बैठने की व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल, शौचालयों की उपलब्धता, मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता तथा विद्यालयों के समग्र शैक्षणिक वातावरण का बारीकी से परीक्षण किया जा रहा है। साथ ही बच्चों से संवाद कर उनकी शैक्षणिक प्रगति का आकलन भी किया जा रहा है। निरीक्षण दल शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने, नियमित अध्यापन सुनिश्चित करने तथा विद्यालय परिसर में स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दे रहे हैं। वहीं अभिभावकों से संपर्क कर शाला त्यागी एवं अप्रवेशी बच्चों का तत्काल प्रवेश कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। अधिकारियों द्वारा शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, जैसे नि शुल्क शिक्षा, पाठ्यपुस्तक, गणवेश, मध्यान्ह भोजन एवं छात्रवृत्ति की जानकारी भी अभिभावकों को दी जा रही है, ताकि वे बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित हों। जिला प्रशासन ने जिले के सभी अभिभावकों से अपील की है कि यदि उनके घर या आसपास कोई भी बच्चा अभी तक विद्यालय में प्रवेश से वंचित है, तो उसका शीघ्र निकटतम शासकीय विद्यालय में नामांकन कराएं और बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित कर उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में सहभागी बनें। कलेक्टर हर्षल पंचोली एवं जिला पंचायत सीईओ अर्चना कुमारी ने सभी निरीक्षण दलों को समय-सीमा के भीतर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने तथा निरीक्षण के दौरान चिन्हित कमियों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

जानलेवा हमला और लूट के आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से आक्रोश

भगवती मानव कल्याण संगठन ने दी थाना घेराव की चेतावनी

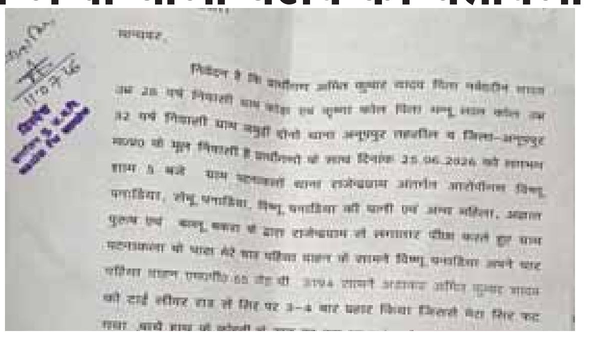

अनूपपुर। जिला अंतर्गत आने वाले थाना राजेन्द्रग्राम के ग्राम पटनाकला में बीते 25 जून को कार सवार युवकों पर जानलेवा हमला कर नकदी व मोबाइल लूटने का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना के दो सप्ताह से अधिक बीत जाने के बाद भी नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से पीड़ित पक्ष और भगवती मानव कल्याण संगठन में भारी आक्रोश है। संगठन ने पुलिस प्रशासन को 24 घंटे का अल्टीमेटम देते हुए थाना घेराव और धरने पर बैठने की चेतावनी दी है।

लोहे की रॉड और तलवार से किया गया हमला

प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रार्थी अमित कुमार यादव (उम्र 28 वर्ष, निवासी ग्राम कोड़ा) और कृष्णा कोल (उम्र 32 वर्ष, निवासी ग्राम जमुड़ी) अपनी चार पहिया वाहन से जा रहे थे। इसी दौरान आरोपी विष्णु पनाडिया, सेमू पनाडिया, विष्णु की पत्नी, एक अन्य महिला, एक अज्ञात पुरुष और बल्लू बकरा ने राजेंद्रग्राम से ही उनका पीछा करना शुरू किया। ग्राम पटनाकला के पास आरोपियों ने अपनी कार को पीड़ितों की कार के आगे अड़ाकर रास्ता रोक लिया। कार रुकते ही आरोपियों ने अमित कुमार यादव पर टाई लीवर रॉड से सिर पर तीन-चार बार ताबड़तोड़ प्रहार किए, जिससे उनका सिर फट गया और अत्यधिक खून बहने लगा। इसके बाद आरोपियों ने दूसरे युवक कृष्णा कोल पर तलवार और रॉड की बेंत से पीठ पर गंभीर हमला किया। आरोपियों ने पीड़ितों की कार की चारों खिड़कियों और सामने का ग्लास तोड़कर वाहन को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना के समय ग्राम सचिव फूल सिंह मरावी ने मौके पर पहुँचकर बीच-बचाव किया, जिससे अमित यादव की जान बच सकी। जाते-जाते आरोपी अमित की जेब से 10,000 रुपये नकद और वीवो वाई-2100 मोबाइल लूट ले गए।

इलाज के दौरान भटकते रहे पीड़ित, पुलिस पर सुस्ती का आरोप

पीड़ित अमित यादव की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहाँ से प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय अनूपपुर और फिर वहाँ से शहडोल मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। डॉक्टरों ने उन्हें और बड़े अस्पताल (बिलासपुर) ले जाने की सलाह दी है। पीड़ितों का आरोप है कि घटना के बाद राजेन्द्रग्राम पुलिस ने इतने गंभीर अपराध को बेहद सामान्य धाराओं में दर्ज कर औपचारिकता पूरी कर ली थी। बाद में उप-निरीक्षक दयावंती मरावी और थाना प्रभारी पी.सी. कोल द्वारा भारतीय न्याय संहिता की धारा 309(6) (लूट के दौरान जानलेवा हमला/चोट) और एससी/एसटी एक्ट की धाराएं बढ़ाने व दो दिन में आरोपियों को पकड़ने का आश्वासन दिया गया, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

एसपी से शिकायत, 24 घंटे का मिला अल्टीमेटम

मामले में कोई कार्रवाई न होने पर पीड़ितों ने अपने अधिवक्ता रामकिशोर सिंह राणा और भगवती मानव कल्याण संगठन के 40-50 कार्यकर्ताओं के साथ 7 जुलाई को पुलिस अधीक्षक अनूपपुर से व्यक्तिगत मुलाकात कर न्याय की गुहार लगाई थी। एसपी द्वारा मुख्य आरोपी बल्लू बकरा व अन्यों की जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिए जाने के बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है। हताश होकर संगठन और पीड़ितों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पुनः एक लिखित पत्र सौंपकर चेतावनी दी है कि नामजद आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं और पीड़ितों को लगातार धमकियां दे रहे हैं। यदि आगामी 24 घंटे के भीतर सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लूटा गया सामान व कार जब्त नहीं की गई, तो भगवती मानव कल्याण संगठन राजेन्द्रग्राम थाने का उग्र घेराव करेगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

पुरानी सब्जी मंडी बनी गंदगी और अव्यवस्था का अड्डा, वार्ड क्रमांक-5 के रहवासी त्रस्त

अधूरा विकास, अवैध कब्जे, नशाखोरी, कचरे के ढेर और जाम नालियों के बीच घुट रहा मोहल्ला

शिकायतों के बावजूद प्रशासन मौन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिला मुख्यालय के वार्ड क्रमांक-5 स्थित पुरानी सब्जी मंडी क्षेत्र इन दिनों गंदगी, अवैध कब्जों और असामाजिक गतिविधियों के कारण स्थानीय रहवासियों के लिए गंभीर परेशानी का कारण बन गया है। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि नगर पालिका की उदासीनता और संबंधित विभागों की निष्क्रियता के चलते यह क्षेत्र धीरे-धीरे अस्वच्छता और अव्यवस्था का केंद्र बनता जा रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार पुरानी सब्जी मंडी के समीप स्थित शराब दुकान के आसपास खाली शराब की कांच की बोतलें, डिस्पोजेबल गिलास, प्लास्टिक और अन्य कचरा सड़क एवं नालियों में फैला रहता है। इससे नालियां जाम हो रही हैं और बरसात के मौसम में जलभराव, दुर्गंध तथा संक्रामक बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। रहवासियों का कहना है कि नगर पालिका द्वारा नियमित सफाई नहीं कराई जा रही, जिससे समस्या दिन-प्रतिदिन विकराल होती जा रही है। क्षेत्रवासियों ने यह भी आरोप लगाया कि नगर पालिका के सफाई कर्मचारी नगर के अन्य हिस्सों से कचरा लाकर इसी स्थान पर डंप कर देते हैं। तेज हवा चलने पर यही कचरा उड़कर आसपास के घरों में पहुंच जाता है, जिससे लोगों का घरों में रहना तक मुश्किल हो गया है। वर्ष 2023 में पुरानी सब्जी मंडी की दुकानों को हटाकर आधुनिक बाजार निर्माण का सपना दिखाया गया था, लेकिन आज तक नया निर्माण शुरू नहीं हो सका। इसके विपरीत, पुराने शेडों पर अवैध रूप से कुछ लोगों का कब्जा हो गया है। मोहल्लेवासियों का आरोप है कि यहां रहने वाले कुछ असामाजिक तत्व दिन-रात नशाखोरी करते हैं तथा आए दिन गाली-गलौज और हंगामा करते हैं, जिससे महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों में भय का वातावरण बना रहता है। समाजसेवी खेमका परिवार द्वारा सब्जी मंडी के सामने आमजन के लिए फ्रीजर के माध्यम से शीतल पेयजल की व्यवस्था की गई है, लेकिन वहां भी असामाजिक तत्व गंदगी फैलाने, अशोभनीय भाषा का प्रयोग करने तथा लोगों को परेशान करने से बाज नहीं आते। क्षेत्र के लोगों को चोरी और अन्य आपराधिक घटनाओं की आशंका भी लगातार बनी रहती है। मोहल्लेवासियों का कहना है कि इस पूरे मामले की जानकारी नगर पालिका अध्यक्ष, जनप्रतिनिधियों, नगर पालिका प्रशासन, कोतवाली पुलिस तथा जिला प्रशासन को कई बार लिखित और मौखिक शिकायतों के माध्यम से दी जा चुकी है, लेकिन अब तक किसी भी जिम्मेदार विभाग द्वारा ठोस कार्रवाई नहीं की गई। परिणामस्वरूप पुरानी सब्जी मंडी का परिसर असामाजिक गतिविधियों और अवैध कब्जों का सुरक्षित ठिकाना बनता जा रहा है। रहवासियों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि पुरानी सब्जी मंडी क्षेत्र का तत्काल निरीक्षण कराया जाए, अवैध कब्जों को हटाया जाए, नशाखोरी एवं असामाजिक गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई की जाए, नियमित सफाई एवं कचरा उठाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा वर्षों से लंबित बाजार निर्माण कार्य को शीघ्र प्रारंभ कराया जाए। उनका कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो यह समस्या भविष्य में कानून-व्यवस्था और जनस्वास्थ्य दोनों के लिए गंभीर चुनौती बन सकती है।

पुष्पराजगढ़ की जीवनदायिनी सीएलएफ का राज्य स्तरीय मूल्यांकन इमर्शन साइट सुदृढ़ीकरण की दिशा में अहम पहल

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत सीएलएफ (संकुल स्तरीय संगठन) इमर्शन साइट सुदृढ़ीकरण के लिए नेशनल मिशन मैनेजमेंट यूनिट, नई दिल्ली के मार्गदर्शन में जिले में व्यापक स्तर पर मूल्यांकन एवं समीक्षा की जा रही है। जिला कलेक्टर हर्षल पंचोली तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अर्चना कुमारी के मार्गदर्शन में सामुदायिक संस्थाओं को अधिक सक्षम और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में राज्य स्तरीय मूल्यांकन दल ने जिले के पुष्पराजगढ़ विकासखंड का भ्रमण कर जीवनदायिनी संकुल स्तरीय संगठन (सीएलएफ) का विस्तृत आकलन किया। भ्रमण के दौरान दल ने अमरज्योति ग्राम संगठन, बसनिहा एवं बजरंग स्व-सहायता समूह, देवरा के पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यों से संवाद कर आजीविका गतिविधियों, संगठनात्मक कार्यप्रणाली तथा इमर्शन साइट के विकास से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्राप्त की। जिला परियोजना प्रबंधक, आजीविका मिशन शशांक प्रताप सिंह ने बताया कि मूल्यांकन के दौरान राज्य स्तरीय टीम ने ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण, वित्तीय प्रबंधन, दस्तावेज संधारण, सामुदायिक नेतृत्व और भविष्य की कार्ययोजना जैसे विषयों पर विस्तार से समीक्षा की। टीम ने अभिलेखों का बारीकी से निरीक्षण करते हुए इमर्शन साइट के निर्धारित मानकों के अनुरूप आवश्यक सुझाव एवं दिशा-निर्देश भी दिए। राज्य स्तरीय मूल्यांकन दल में नेशनल रिसोर्स पर्सन प्रभात पांडे तथा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, भोपाल के यंग प्रोफेशनल सुधीर कुशवाहा शामिल रहे। उनके भ्रमण से स्थानीय सामुदायिक संस्थाओं एवं स्वयं सहायता समूहों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर जिला आजीविका मिशन के प्रभारी जिला प्रबंधक (आईबीसीबी) दीपक मोदनवाल, ब्लॉक इकाई से सुरेश कारपेंटर, शैलेंद्र सिंह, कोमल राठौर सहित संबंधित सामुदायिक संगठनों के पदाधिकारी, सदस्य एवं विभागीय कर्मचारी उपस्थित रहे। राज्य स्तरीय दल के इस मूल्यांकन को पुष्पराजगढ़ में इमर्शन साइट के सुदृढ़ीकरण तथा ग्रामीण आजीविका मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने सिंगल क्लिक से लाड़ली बहनों के खातों में भेजी सहायता राशि, अनूपपुर की 1.25 लाख से अधिक हितग्राही महिलाओं को मिले 18.24 करोड़ रुपये

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को भिंड जिले के लहार से आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के तहत प्रदेशभर की हितग्राही महिलाओं के बैंक खातों में सिंगल क्लिक के माध्यम से अनुदान राशि का अंतरण किया। इस अवसर पर अनूपपुर जिले की 1 लाख 25 हजार 349 लाड़ली बहनों के बैंक खातों में कुल 18 करोड़ 24 लाख 9 हजार 500 रुपये की राशि अंतरित की गई। कार्यक्रम का जिले में कलेक्ट्रेट स्थित सोन सभागार सहित सभी जनपद पंचायतों, नगरीय निकायों एवं ग्राम पंचायतों में सजीव प्रसारण किया गया। इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं, जिससे बड़ी संख्या में हितग्राही महिलाओं ने कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा और मुख्यमंत्री के उद्बोधन को सुना। कलेक्ट्रेट स्थित सोन सभागार में

आयोजित कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रीति सिंह, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती पार्वती वाल्मीकि राठौर, महिला एवं बाल विकास विभाग की सहायक संचालक श्रीमती मंजूषा शर्मा, जिला बाल कल्याण समिति अनूपपुर के अध्यक्ष मोहनलाल पटेल, परियोजना अधिकारी श्रीमती सीमा गाजू सहित बड़ी संख्या में लाड़ली बहनें उपस्थित रहीं। इस दौरान उपस्थित महिलाओं ने मुख्यमंत्री के संबोधन का अवलोकन किया तथा योजना के उद्देश्यों, लाभ एवं शासन द्वारा महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए संचालित विभिन्न कल्याणकारी प्रयासों की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम के समापन पर हितग्राही महिलाओं ने शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए योजना को महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।